आखिरकार मंडल में इलेक्ट्रिक इंजन से यात्री गाड़ियों का संचालन शुरू हो गया। इलेक्ट्रिक इंजन से ट्रेनों के संचालन से एक क्रांति आएगी। आने वाले दिनों में स्टेशनों के बीच का समय भी घटेगा और यात्री सुविधाओं में वृद्धि होगी। बुधवार को तीन गाड़ियों का संचालन किया गया। ट्रेनों के संचालन को लेकर यात्रियों में जबरदस्त उत्साह है।

यात्रियों को लेकर पहली बार गुजरी बिजली की ट्रेन

अमर उजाला ब्यूरो

मुरादाबाद। मंडल उत्तर रेलवे के महत्वपूर्ण रूट में शामिल है। मंडल में इलेक्ट्रिफिकेशन जून में पूरा हो गया था। लेकिन सीआरएस का निरीक्षण नहीं हो पाने के कारण ट्रेनों का संचालन टलता जा रहा था। हालांकि अक्टूबर में ट्रेन चलाने की पूरी तैयारी कर ली गई थी। लेकिन मामला टलते टलते फरवरी तक पहुंच गया। फरवरी के अंतिम सप्ताह में सीआरएस के निरीक्षण के बाद मार्च में मालगाड़ियों को इलेक्ट्रिक इंजन के सहारे चलाया गया। लेकिन इंजन की उपलब्धता नहीं होने से पैसेंजर गाड़ियों का संचालन नहीं हो पा रहा था। इसके बाद से नेताओं ने भी पैसेंजर गाड़ियों को इलेक्ट्रिक इंजन से चलवाने में रुचि दिखाई। बहुप्रतिक्षित योजना बुधवार को पूरी हो गई। बुधवार को सुपरफास्ट ट्रेनों को इलेक्ट्रिक इंजन से चलाया गया। जिसमें चंडीगढ़ लखनऊ (02231-32), अकालतख्त (12317) और दुरांतो एक्सप्रेस (12358) शामिल रहीं।